Andhra Pradesh — Summative Assessment 1 (SA1), 2026-27

Class IX — Hindi (Second Language)

उत्तर कुंजी — सेट 1

For: Model Paper Set 1 **Max. Marks: 80**

Notes for valuers

- खंड क–ख: सही भाव वाले उत्तर स्वीकार करें; छोटी वर्तनी की गलतियों पर अंक न काटें।
- खंड ग–घ: नीचे दिए गए मूल्य-बिंदु मार्गदर्शन के लिए हैं; छात्र के अपने शब्दों में सही उत्तर पूरे अंक के योग्य है।
- पत्र/निबंध/संवाद (8 अंक): विषय-वस्तु 4, प्रारूप/क्रम 2, भाषा 2।
- पाठ-आधारित उत्तरों को मूल्यांकनकर्ता पाठ्यपुस्तक से मिलाकर देख लें।

खंड – क **20 × 1 = 20**

1. B) रवि

2. A) रात

3. B) लड़की

4. A) पुस्तकें

5. B) विद्या + आलय

6. B) तत्पुरुष

7. C) ने

8. B) आस्तिक

9. A) बहुत प्यारा होना

10. B) राम ने पत्र लिखा।

11. C) बरगद

12. B) झूला झूलते हैं

13. B) सौ साल से अधिक

14. B) सड़क चौड़ी करने के लिए

15. A) पतली / विरल

16. B) लगातार आगे बढ़ना

17. A) ऊँचे सपने

18. A) फल और छाया

19. A) संसार

20. A) प्रकृति से सीख लेना

खंड – ख **4 × 2 = 8**

21. (क) पानी – जल, नीर (ख) पेड़ – वृक्ष, तरु (ग) माँ – माता, जननी (घ) फूल – पुष्प, सुमन *[4 × ½]*

22. (क) मुझे घर जाना है।
(ख) वह बहुत सुंदर लड़की थी। (अथवा: वह बहुत सुंदर लड़का था।)

23. (क) नौ दो ग्यारह होना – भाग जाना। वाक्य: पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।
(ख) हाथ बँटाना – मदद करना। वाक्य: रीना घर के कामों में माँ का हाथ बँटाती है।

24. सम्मक्का-सारक्का जातरा तेलंगाना के मुलुगु ज़िले के मेडारम गाँव में हर दो साल में मनाई जाती है। यह आदिवासी वीरांगनाओं सम्मक्का और उनकी बेटी सारक्का की याद में मनाई जाती है, जिन्होंने काकतीय शासकों के अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया।

खंड – ग 5 × 4 = 20

25. मूल्य-बिंदु: प्रकृति की हर वस्तु हमें कुछ सिखाती है — पर्वत से ऊँचा उठना और दृढ़ रहना, सागर से मन को विशाल बनाना, नदी/धारा से निरंतर आगे बढ़ना, पृथ्वी से धैर्य और सहनशीलता, आकाश से उदारता और व्यापक दृष्टि, सूरज से प्रकाश फैलाना। (पाठ्यपुस्तक की पंक्तियों के अनुसार कोई चार सीख।)

26. ईशान आठ-नौ साल का बच्चा था जिसे डिस्लेक्सिया था — उसे अक्षर और अंक उलटे-पलटे दिखते थे, इसलिए वह पढ़ाई में पिछड़ जाता था।
लोग उसे आलसी और शरारती समझते थे; उसे बोर्डिंग स्कूल भेज दिया गया, जहाँ वह उदास रहने लगा।
कला शिक्षक रामशंकर निकुंभ ने उसकी समस्या पहचानी, माता-पिता को समझाया, धैर्य से नए तरीकों से पढ़ाया और उसकी चित्रकला की प्रतिभा को निखारा।
चित्रकला प्रतियोगिता में ईशान प्रथम आया और उसका आत्मविश्वास लौट आया।

27. मूल्य-बिंदु: हमारी सोच ही हमारे व्यवहार और जीवन को दिशा देती है; नकारात्मक सोच छोड़कर सकारात्मक सोच अपनानी चाहिए; दूसरों के प्रति भेदभाव और पूर्वाग्रह छोड़ना चाहिए; सोच बदलने से समाज बदलता है। (पाठ के उदाहरणों सहित उत्तर को पूरे अंक दें।)

28. खेल से शरीर स्वस्थ और फुर्तीला रहता है।
मन प्रसन्न रहता है, तनाव दूर होता है और पढ़ाई में भी ध्यान लगता है।
टीम-भावना, अनुशासन, सहयोग और हार-जीत को सहजता से लेने की सीख मिलती है।
खेल में आगे बढ़कर देश का नाम रोशन किया जा सकता है।

29. (क) मैं हर दिन स्कूल जाता हूँ। *[4 × 1]*
(ख) मेरी माँ शिक्षिका हैं।
(ग) हमें पेड़ लगाने चाहिए।
(घ) भारत एक महान देश है।

खंड – घ 4 × 8 = 32

30. (अ) औपचारिक पत्र प्रारूप: प्रेषक का पता, दिनांक, सेवा में, पद व पता, विषय, महोदय, विषय-वस्तु, धन्यवाद, भवदीय / आज्ञाकारी शिष्य, नाम।
विषय: तीन दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र। बुखार/बीमारी का उल्लेख, तिथियाँ, डॉक्टर की सलाह, अवकाश स्वीकार करने का निवेदन।

30. (आ) पत्र प्रारूप: स्थान व दिनांक, संबोधन, अभिवादन, विषय-वस्तु, समापन (आपका आज्ञाकारी शिष्य / तुम्हारा मित्र), नाम।
मेले का नाम और समय, भीड़ और दुकानें, झूले, खाने-पीने की चीज़ें, खरीदी गई वस्तुएँ, अपना अनुभव, मित्र को आमंत्रण।

31. (अ) पेड़ हमें ऑक्सीजन, छाया, फल, फूल, लकड़ी, दवाइयाँ देते हैं; वर्षा लाने और मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद करते हैं; पशु-पक्षियों का घर हैं; प्रदूषण कम करते हैं; पेड़ कटने से नुकसान; अधिक पेड़ लगाने और उनकी रक्षा करने का संकल्प।

31. (आ) प्रिय खेल का नाम, खेलने का तरीका और नियम, कब और किसके साथ खेलते हैं, प्रसिद्ध खिलाड़ी, खेल से लाभ, क्यों प्रिय है।

32. (अ) ईशान का परिचय और उसकी पढ़ाई की कठिनाई; माता-पिता और शिक्षकों की डाँट; बोर्डिंग स्कूल भेजा जाना और उसका अकेलापन; निकुंभ सर का आना, डिस्लेक्सिया पहचानना; माता-पिता और प्रधानाचार्य से बात; धैर्य से पढ़ाना; चित्रकला प्रतियोगिता में जीत; संदेश — हर बच्चा विशेष है।

32. (आ) स्थान: मेडारम (मुलुगु ज़िला, तेलंगाना); हर दो साल में माघ महीने में; एशिया के सबसे बड़े आदिवासी मेलों में से एक; सम्मक्का-सारक्का की वीरता की कथा; लाखों श्रद्धालु; गुड़ ('बंगारम') चढ़ाने की परंपरा; जंपन्ना वागु में स्नान; लोक-संस्कृति, नृत्य और गीत।

33. (अ) संवाद प्रारूप: वक्ताओं के नाम, 10–12 वाक्य; ग्राहक वस्तु माँगता है, दाम पूछता है, मोल-भाव, गुणवत्ता की बात, भुगतान, धन्यवाद।

33. (आ) शीर्षक: प्यासा कौआ / जहाँ चाह, वहाँ राह। गर्मी के दिन, कौआ प्यासा; घड़े में थोड़ा पानी; चोंच नहीं पहुँची; कंकड़ एक-एक करके डाले; पानी ऊपर आया; पानी पीकर उड़ गया। सीख: बुद्धि और धैर्य से हर समस्या हल होती है।

* * *